षष्ठम अध्याय

शोध सार

भूमिका

ग्रामीण क्षेत्र में पायी जाने वाले आदिवासी जनजाति पर शासन द्वारा दिपी उपलब्ध उपलब्ध कराये जाने वाली सुविधाओं का कम प्रभाव पड़ता है।

आदिवासी क्षेत्र का विकास करने के लिए शासन द्वारा नई योजनायें चलाई गयी। नये शालायें खोली गई। इन क्षेत्रों में आदिवासी का विकास न होने का कारण उनकी शिक्षा है।

इसक शोध प्रबंध में शोधकर्ता ने बैतूल जिले के मुलताई क्षेत्र के जनजाति के सामाजिक आर्थिक स्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धि तथा सुविधा एवं समस्या का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है।

6.1 शोध कथन :-

अनुसूचित जनजाति प्रथम अध्याय के छात्र-छात्राओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धि तथा शालाओं प्राप्त सुविधा का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

6.2 शोध के उद्देश्य :-

1. अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
2. अनुसूचित जनजाति के छात्रों के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि का सहसंबंध ज्ञात करना।
3. अनु.जनजाति के छात्राओं के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि का सहसंबंध ज्ञात करना।
4. अनु. जनजाति के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि सहसंबंध ज्ञात करना।
5. अनु.जनजाति के छात्रों की समस्या का अध्ययन करना।
6. अनु.जनजाति के छात्राओं की समस्या का अध्ययन करना।

7. अनु. जनजाति के छात्रों तथा छात्राओं को प्राप्त सुविधा का अध्ययन करना।

6.3 शोध के चर

इस शोध में निम्न चरों का उपयोग किया गया है।

1. सामाजिक आर्थिक स्थिति
2. शैक्षिक उपलब्धि
3. विद्यार्थी समस्या प्रश्नावली
4. शिक्षक समस्या प्रश्नावली

6.4 शोध उपकरण :–

सामाजिक आर्थिक स्तर परिसूची :–

प्रस्तुत शोध में सामाजिक आर्थिक स्तर परिसूची का प्रयोग किया जा रह है। जो ग्रामीण छात्र एवं छात्राओं के लिए है। इस परिसूची का निर्माण डॉ. एस. पी. कुलश्रेष्ठ द्वारा किया गया है। यह एक प्रमाणिक शोध उपकरण है।

6.5 शोध परिकल्पनाएं :–

~~2.5~~ परिकल्पना –

1. अनुसूचित जनजाती के विधार्थी की सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धी में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।
2. अनुसूचित जनजाती के छात्रों के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धी में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।
3. अनुसूचित जनजाती के छात्राओं के सामाजिक आर्थिक स्थिती तथा शैक्षिक उपलब्धी में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं हे।

4. अनुसूचित जनजाती के उच्च सामाजिक आर्थिक स्थिति के विधार्थी के सामाजिक आर्थिक स्थिती तथा शैक्षिक उपलब्धी में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

5. अनुसूचित जनजाती के मध्यम सामाजिक आर्थिक स्थिति के विद्यार्थी के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धी मे कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

6. अनुसुचित जनजाती के निम्न सामाजिक आर्थिक स्थिति के तथा शैक्षिक उपलब्धी में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।

7. अनुसूचित जनजाती छात्र-छात्राओं के सामाजिक आर्थिक स्थिती का शैक्षिक उपलब्धी पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।

8. अनुसूचित जनजाती के छात्रों के सामाजिक आर्थिक स्थिती का शैक्षिक उपलब्धी पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

9. अनुसूचित जनजाती के छात्राओं के सामाजिक आर्थिक स्थिती का शैक्षिक उपलब्धी पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

10. अनुसुचित जनजाती के छात्र-छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धी में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

6.6 न्यादर्श चयन प्रक्रिया –

शोधकर्ता ने प्रस्तुत समस्त के लिए न्यादर्श का चयन यादृच्छिक विधि से लिया गया है। शोध के लिए बैतूल जिले के मुलताई क्षेत्र के नऊ प्राथमिक विद्यालय दिये गये है। न्यादर्श के लिए अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं का लिया गया है। शोधकर्ता के लिए कुल 105 छात्र-छात्राओं को लिया है।

6.7 शोध की सीमांए :-

प्रस्तुत शोध में अध्ययन के लिए केवल मुलताई क्षेत्र के नऊ शालायें ली गई है। इस शोध के निष्कर्ष मुलताई क्षेत्र के लिए उपयुक्त है। अध्ययन के समय शिक्षक तथा विद्यार्थी की शैक्षिक समस्या जानने का प्रयास किया गया है।

6.8 निष्कर्षः- प्रस्तुत शोध में न्यादर्श प्रदत्तों का संकलन एवं विश्लेषण के पश्चात निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए :-

1. अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी के सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि के बीच कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया ।
2. अनुसूचित जनजाति के मध्यम तथा उच्च सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धियों के छात्र-छात्राओं में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं पाया गया।
3. अनुसूचित जनजाति के निम्न सामाजिक आर्थिक स्थिति तथा शैक्षिक उपलब्धि के विद्यार्थी सत्संबंध पाया गया है।
4. अनुसूचित जनजाति के शाला में पाये जाने वाले शिक्षकों में सार्थक समस्या पाई गई।

6.9 शोध हेतु सुझाव

- अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों कि सामाजिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करना।
- अनुसूचित जनजाति के मनो सामाजिकता का अध्ययन करना।
- आदिवासी क्षेत्र पर आधुनिकीकरण के प्रभाव का अध्ययन करना।

- ग्रामीण क्षेत्र तथा शहरी क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति के छात्र–छात्राओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति एवं शैक्षिक उपलब्धि का प्रभाव अध्ययन करना।
- आदिवासी छात्रों को तथा छात्राओं को शासन द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के प्रभाव का अध्ययन करना।
- ग्रामीण क्षेत्र में पायी जाने वाली शालाओं में सुविधा तथा असुविधा का अध्ययन करना।
- ग्रामीण क्षेत्र में पायी जाने वाली आदिवासी छात्र–छात्राओं के समस्या का अध्ययन करना।